### Morning India www.sanmarglive.co

Ranchi, Friday 19 February 2021

## Panel discussion on Digital Agriculture Management conducted at ICFAI University

Management 
Opportunities and 
Challenges was constanted at 
10FM University. The panel 
discussion was moderated by 
Prof O B S Rao, ViceChancellor of the ICPM 
University.

Welcoming the participants to the norm of 
the participants to the norm of 
the control of 
t

rrot of it S. Rao, ViceChancellor of the ICIAI
University.
Welcoming the particinames to the partel discussion,
Prof O R. S. Rao, ViceChancellor of the University
said, 'In the last few years,
India achieved self-sufficiency
in food grains producinous and
is also able to export the
same. Our Government,
under the leadership of our
rotate Minister Sri Nacional
Notice like setting up, 10,000
Farmers.
Producer Organisations (PPOst) and
electronic National
Agriculture Market (e-NAM)
to enhance the incomes of the
farmers. Bowever, better
deployment of Emerging
Technologies like Artificial
Intelligence, 10T. Satellite
Image Processing can help in
further improving their
incomes. Olipetics of today's
discussion is to identify such
opportunities and challengies
implementation of the
same.

De D K Srivastava high-

De D K Srivastava high-



ed the large data base of inputs, which can be used for Crop Selection, Harvesting or, as to increase the yield and productivity.

Sri Frudeep Hazari exhorted the need for introducing only to-use technologies like Mobile aggs, hand held devices technology in farming. He also explained

how digital technology can help in improving the laskage between producers and mar-kets so as to increase the price realizations. He also suggested that Market Models of Dates Deeming may be kets so as to increase the price realizations. He also suggested that Market Models of Duiry Farming may be studied to identify their good practices in agricultural farming. He also taghinghard day may be a supported to the med for up-akiling and reakiling the current employees in agri-related organizations like larm extensions, Agri-input providers, agri-farming, retailing givernment eve so that Digital Transformation of agri-managument can be effectively implemented.

Hesponding to this sugges-

tion, Prof O B 5 Bao informed that the University is launching a 2 month certificate program in digital agriculture Management in order to upskill and reskill compleyees. The program will commence on March 7, 2021 and last date for applications is 28th Feb 2021. More details can be obtained from the chained from the Cortificate website. Prof Bao added. Prof Kaushal Kumar Sinha aggressiated the indicative of the University's website. Prof Bao added the University is offer the Cortificate program, which can help the working professional feb working professional and enhance their careers.



# इक्फाई विवि में डिजिटल कृषि प्रबंधन पर पैनल चर्चा, बोले कुलपति

# भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर

#### संवाददाता

रांची : इक्पाई विश्वविद्यालय, झारखंड में डिजिटल कृषि प्रबंधन-अवसर और चुनीवियां पर गुरुवार को पैनल चर्चा की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उहां भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की, वही इसे नियांत करने में भी सक्षम है। सरकार ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसानी की अग बढ़ाने के लिए 10,000 वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। उत्पादक संगठन (एफपीओ) और इलेक्ट्रॉनिक अध्यक्ष डॉ डीके श्रीवास्तव ने कहा एप्लिकेशन, हाथ से संचालित नेशनल एग्रीकरूचर मार्केट (ई- कि वायु, जल और खाद्य सुरक्ष को उपकरणों की तकनीक जैसी एनएएम) स्थापित करने जैसी कई संरक्षित किया जाना है। उन्होंने कृषि आसान तकनीकों को पेश करने की पहल की है। प्रो राव ने बताया कि और वन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अप- सरकार द्वारा उठाये गये कदमों के बताया कि कैसे डिजिटल तकनीक स्किल और री-स्किल के लिए बारे में भी बताया। उन्होंने कहा की उत्पादकों और बाजारों के बीच डिजिटल कृषि प्रबंधन में 2 माह का सटीक खेती की अवधारणाओं और संपर्क को बेहतर बनाने में मदद कर प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू कर रहा है। सैटेलाइट इमेजरी को कृषि से कार्वक्रम 7 मार्च से शुरू होगा। जोड़ने के लिए इनपुट का बड़ा प्रो कौशल कुमार सिन्हा ने इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि - डेटा बेस बनाया गया है। जिसका - सर्टिफिकेट प्रोग्राम पेशकश करने



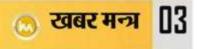
ज्ञारखंड लोक सेवा आबोग के पूर्व 28 फरवरी है। उन्होंने कहा कि उपवोग फसल चयन, कटाई आदि के लिए विश्वविद्यालय की पहल अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की के लिए किया जा सकता है। कृषि की सरहाना की।

विभाग के विशेष सचिव प्रदीप हजारी ने खेती में मोबाइल सकती है। नॉबार्ड के पूर्व सीजीएम

# इक्फाई विवि में डिजिटल कृषि प्रबंधन पर पैनल चर्चा आयोजित

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में डिजिटल कृषि प्रबंधन - अवसर और वुनौतियां पर एक पैनल वर्चा की गई। इस पैनल वर्चा में डॉ। डीके श्रीवास्तव (आईएफएस), झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष और झारखंड सरकार के प्रधान संरक्षक, प्रदीप हजारी, विशेष सचिव सह सलाहकार, कृषि विभाग, पशुपालन और सहकारिता, झारखंड सरकार और कौशल कुमार सिन्हा, पूर्वे सीजीएम, नाबार्ड के लोग शामिल थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने प्रतिभागियों को पैनल चर्चा में स्वागत करते हुए कहा की पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मिनर्भरता हासिल की और वही इसे निर्यात करने में भी सक्षम है। सरकार, हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने के लिए 10,000 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओं) और इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-एनएएम) स्थापित करने जैसी कई पहल की है। हालांकि, इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी, सैटेलाइट इमेज प्रोसेसिंग की बेहतर तैनाती से किसानों की आय को और बेहतर बना ने में मदद मिल सकती है। आज की पैनल चर्चा का उद्देश्य इसी तरह के टेक्नोलॉजीज के कार्यान्वयन में अवसरों और चुनौतियों की पहचान करना है। पैनल चर्चा को संबोधित करते हुये डॉ। डी के श्रीवास्तव र्ने दीर्घकालिक कृषि की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जिसमें वायु, जल और खाद्य सुरक्षा को संरक्षित किया जाना है। उन्होंने कृषि और वन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उढाए गए कदमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा की सटीक खेती की अवधारणाओं और सैटेलाइट इमेजरी को कृषि से जोड़ने के लिए इनपुट का बड़ा डेटा बेस बनाया गया है, जिसका उपयोग फसल चयन, कटाई आदि के लिए किया जा सकता है ताकि उपज और उत्पादकता में वृद्धि हो सके। प्रदीप हजारी ने खेती में मोबाइल एप्लिकेशन, हाथ से संचालित उपकरणों की तकनीक जैसी आसान तकनीकों को पेश करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

## रांची. रविवार 21.02.2021



# इक्फाई विश्वविद्यालय में डिजिटल कृषि प्रबंधन पर पैनल डिस्कशन

#### रववर मन्त्र ब्यरी

रांची। इक्सई विक्लांबदालय आरखंड में डिजिटल कृषि प्रयंधन-अवसर और चुनैतियां पर एक पैनल चर्चा की गई। इसमें नेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष डॉ डीके ( आईएफएस) कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग के विशेष सचिव प्रदीप हजारी और नाबार्ड के पूर्व सीजीएन कीशल कुमार सिन्हा शामिल थे। वित्ति के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने प्रतिभागियों को पैनल चर्चा में स्थागत करते हुए कहा कि फिछले कुछ वधी में भारत ने खाद्यान्न उत्पदन में आत्पनिर्धरता हासिल की है और वहीं इसे निर्वात करने में भी सधम है। सरकार हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आव बढ़ाने के लिए 10,000 किसान उत्पादक संगादन (एकपीओ) और इलेक्ट्रॉनिक नेशनत एग्रीकल्पर मार्केट (ई-एनएएम) स्थापित करने जैसी क्यें पहल की है। हर्माजींग टेक्नोल्डांजीज जैसे आर्टिकिशियल इंटीलजेंस, आईओरी, सेटेलाइट इमेल क्रेसेसिंग की बेहतर तैनाती से किसानों की आव को और बेहतर बना ने में मदद मिल सकती है। आज की पैनल चर्चा का उदेश्य इसी तरह के टेक्नोलॉजीज के कार्यान्वयन में अवगरें और



संबोधित करते हुए हाँ हो के श्रीवास्तव ने केंग्रेकलिक कृषि की आयश्यकता पर प्रकाश हाला, जिसमें बायु, जल और खाद्य सुरक्षा की संरक्षित किया जाना है। उन्होंने कृषि और बन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा की यटीक खेती को अवधारणओं और मैटेलाइट इमेजरी को कृषि से जोड़ने के लिए इनपुट का बड़ा डेटा बेस बनाया गया है, जिसका उपयोग फसल चयन, कटाई आदि के लिए किया जा सकता है ताकि उपज और उत्पादकता में वृद्धि हो सके। वहीं, जी प्रदीप हजारों ने खेली में मोबाइल एप्लिकेशन, हाथ से संचालित उपकरणों की दकतीक जैसी आसान तकतीकों को पेश करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे डिजिटल चुनीतियों को पराचान करना है। पैनल चर्चा को तकनीक उत्पादकों और बाजारों के बीच संपर्क

को बेहतर जनाने में मदद कर सकती है ताकि मुल्प की पारतीयकताओं को बदाया जा सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि डेयरी फार्मिंग के माकेट मॉडल का अध्ययन, कृषि खेली में उनकी अच्छी तरीको की पहचान करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कृषि-संबंधित संघठने जैसे कृषि किरतार, कृषि-इनपुट प्रधाताओं, कृषि-वितापेषण, खुदरा विक्री, सरकार आदि में वर्तमान कर्मचारियों की अप-फिक्टिनंत और री-फिक्टिनंत की आवारवकता पर प्रकाश दाला, ताकि कृषि-प्रयोगन के डिजिटल परिवर्तन को प्रभावी होंग से लान् किया जा सके। सुझाव का जवाब देते हुए प्रो ओआर एस राथ ने बताबा कि विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अपरिकास और से रिकास के लिए डिजिटल कषि प्रबंधन में 2 महीने का प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू कर रहा है। कार्यक्रम 7 मार्च 2021 की शुरू होगा और अवेदन की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2021 है। प्रो सब ने कहा की ऑपक जानकारी विश्वविद्यालय को केबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। प्रेर कीशल कुमार सिन्हा ने गरिफिकेट प्रेग्रम की पेशकल करने के लिए विश्वविद्यालय को पहल की सरहत्व की. जो कृषि से जुड़े संगठनों में काम करने वाले पेशेवरों को अपने करियर बनाने और बढ़ाने में मदद कर

www.advincfdaily.in

गांधी, ११ फामते, १०११





# दीर्घकालिक कृषि की आवश्यकता पर ध्यान दिया जाये : श्रीवास्तव

## डिजिटल तकनीक उत्पादकों और बाजारों के बीच संपर्क को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है : प्रदीप हजारी

रोगी। इत्रमार्च विश्वपिद्यानम्, झुरखंद में 'डिजिशन यूपि प्रबंधन-अत्रमा और वसमा एव है, जिलका उपमान प्रमान चमन, बार्ट्य और के लिए किया वा मकता है बुनेडिया' पर एक पैनन भर्मा की गुर्दे इस पैनन भर्मा में डा. डीमी बीचातक सनि उपन और उत्याखता में युद्धि से समेर अपीन हमारी में खोती में मोनाइल

क्रांट्याच्या को संस्था पंचा में सामान करता हुए कहा को हो।
सिमले कुछ कर्यों में, पाता के सामान करता हुए कहा को
सामने पंचा कर्यों में पाता के सामने करने में भी
सामने की सामार प्रथम गाँव गाँव मंत्री को गेलूक में
सिमलों की साम बाहुने में शिए 10,600 किसान सामानक
प्राप्ता (एकपोटन) और प्रश्नेकृतिका नेपालन एसीकपास पानदेर
(१५-एएएए) अध्यक्ति कार्य ने देनों को पाता को है। सामानिक,
इन्योंक प्रभावनार्थिक में। सामितिकालक हरीलाका, व्यक्तिकें, सेर्टलाइट और चुर्नीतियां पर पैनल चर्चा का आयोजन

क्रमाना का आप बहुन के लिए 10,000 किवार अलारक प्राप्तन (पुरुपेकेंद्र) और प्रश्निक नेमानस एमिकल्य पार्वेट (ई-स्ट्रास) अपनी को क्रमान एमिकल्य प्रश्निल्य पार्वेट (ई-स्ट्रास) अपनी को क्रमान एमिकल्य प्रश्निल्य पार्वेट (ई-स्ट्रास) अपनी को क्रमान प्रश्निल्य प्रश्निक को अपनी के लिए क्रमान के क्रमान क्रम

र्ज में हा. तीर्च लीकारण साँग उपन और उत्पासकत में यूद्धि से सक्ते। उद्योग हमारों ये स्वेती में प्रोमाइन पूर्व सरका की हाराबंध परिवर्जनान, ताल ने सीवितत उपकारणों की तक्त्रीक कीने स्वामन करनीर्कों को ऐस स्वामन करनीर्कें को प्रेम सरका की का की उपकारण कर तो है हिम्सा उनमें पत्र मा प्रेम काम की का की की का का सकती है तीर्क प्राप्त की काराजीवकाओं हिम्सा जनमंत्र कर सकती है तीर्क प्राप्त की काराजीवकाओं को स्वाम कर उपकारण का स्वीम की प्राप्त की काराजीवकाओं को स्वाम करनी की सीवित करनीर की सीवित करनी की सीवित करनी की सीवित करनी की सीवित करनी में उपकार आभी तीर्कों की प्रयुक्त करने की सीवित करने